

श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

श्रीशङ्कराचार्य विरचितं
॥ श्रीनारायणस्तोत्रम् ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using L^AT_EX and the **skt** font.

श्रीः

॥ श्रीनारायणस्तोत्रम् ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

करुणापारावार वरुणालयगम्भीर नारायण ॥ १ ॥

नवनीरदसङ्काश कृतकलिकल्मषनाश नारायण ॥ २ ॥

यमुनातीरविहार धृतकौस्तुभमणिहार नारायण ॥ ३ ॥

पीताम्बरपरिधान सुरकल्याणनिधान नारायण ॥ ४ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

मञ्जुलगुञ्जाभूष मायामानुषवेष नारायण ॥ ५ ॥

राधाधरमधुरसिक रजनीकरकुलतिलक नारायण ॥ ६ ॥

मुरलीगानविनोद वेदस्तुतभूपाद नारायण ॥ ७ ॥

वारिजभूषाभरण राजिवरुक्मिणीरमण नारायण ॥ ८ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

जलरुहदलनिभनेत्र जगदारम्भकसूत्र नारायण ॥ ९ ॥

पातकरजनीसंहार करुणालय मामुद्धर नारायण ॥ १० ॥

अघबकक्षयकंसारे केशव कृष्ण मुरारे नारायण ॥ ११ ॥

हाटकनिभपीताम्बर अभयं कुरु मे मावर नारायण ॥ १२ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

दशरथराजकुमार दानवमदसंहार नारायण ॥ १३ ॥

गोवर्धनगिरिरमण गोपीमानसहरण नारायण ॥ १४ ॥

सरयूतीरविहार सज्जन ऋषिमन्दार नारायण ॥ १५ ॥

विश्वामित्रमखत्र विविधपरासुचरित्र नारायण ॥ १६ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

ध्वजवज्राङ्कुशपाद धरणीसुतसहमोद नारायण ॥ १७ ॥

जनकसुताप्रतिपाल जय जय संस्मृतिलील नारायण ॥ १८ ॥

दशरथवाग्धृतिभार दण्डकवनसञ्चार नारायण ॥ १९ ॥

मुष्टिकचाणूरसंहार मुनिमानसविहार नारायण ॥ २० ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

वालिनिग्रहशौर्य वरसुग्रीवहितार्य नारायण ॥ २१ ॥

मां मुरलीकर धीवर पालय पालय श्रीधर नारायण ॥ २२ ॥

जलनिधिबन्धनधीर रावणकण्ठविदार नारायण ॥ २३ ॥

ताटकमर्दनराम नटगुणविविधधनाढ्य नारायण ॥ २४ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

गौतमपत्नीपूजन करुणाघनावलोकन नारायण ॥ २५ ॥

संभ्रमसीताकार साकेतपुरविहार नारायण ॥ २६ ॥

अचलोद्धृतिचञ्चत्कर भक्तानुग्रहतत्पर नारायण ॥ २७ ॥

नैगमगानविनोद रक्षितसुप्रह्लाद नारायण ॥ २८ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।

नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।

नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

॥ इति श्रीनारायणस्तोत्रं समाप्तम् ॥